तेरी मुरली की धुन सुनने मैं बरसाने से आयी हूँ

तेरी मुरली की धुन सुनने मैं बरसाने से आयी हूँ ।
मैं बरसाने से आयी हूँ, मैं वृषभानु की जाई हूँ ॥
अरे रसिया, ओ मन वासिय, मैं इतनी दूर से आयी हूँ ॥

सुना है श्याम मनमोहन, के माखन खूब चुराते हो ।
उन्हें माखन खिलने को मैं मटकी साथ लायी हूँ ॥

सुना है श्याम मनमोहन, के गौएँ खूब चरते हो ।
तेरे गौएँ चराने को मैं ग्वाले साथ लायी हूँ ॥

सुना है श्याम मनमोहन, के कृपा खूब करते हो ।
तेरी कृपा मैं पाने को तेरे दरबार आयी हूँ ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/300/title/teri-murli-ki-dhun-sunne-main-barsane-se-aayi-hun

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |